REPORT OF WORLD FORESTRY DAY – 21ST MARCH 2022 , AFRI, JODHPUR

Arid Forest Research Institute was celebrated World Forestry Day on 21st March 2022 in chairmanship of Sh. M.R. Baloch, Director, AFRI. In welcome speech he talked about how overuses of fertilizers are reduce the soil fertility and adverse effects of chemical fertilizers. He also emphasized on carbon fixation by planting more and more trees. Chief Guest of program was Dr. Genda Singh, Retd. Scientist-G from AFRI, delivered a lecture on "Restoring Degraded Lands through Forestry Interventions". He had given detailed information about degraded lands, six different climatic zone, aridity index, different types of erosion, methods of sand dune stabilization, forestry plant species which are helping in rehabilitation of saline lands and water harvesting structures. Dr. Tarun Kant, Group Co-ordinator (Research) has given brief introduction about World Forestry Day and significance of the days celebrations in his address. A poster Competition was also organized under "Azadi Ka Amrut Mahotsav" for AFRI Employee. The theme of the competition was "Forest and sustainable production and consumption". The winners Sh. Surendra Meghwal (I), Ms. Priya Rathod (II) and Sh. Arihant Lunawat (III) was awarded by Certificates. The program was hosted by Dr. Bilas Singh, CTO, Extension Division. All Employee and Scholars are attended the program.

ARID FOREST RESEARCH INSTITUTE
P.O. KRISHI UPAJ MANDI, BASNI, NEW PALI ROAD, JODHPUR
WORLD FORESTRY DAY
21st MARCH, 2022
THEME
Forests and sustainable production and consumption
Venue : Conference Hall, AFRI at : 3.00 PM
M.R. BALOCH, IFS
PCCF & DIRECTOR
AFRI
CHIEF GUEST
DR. G. SINGH
Retd. SCIENTIST-G
AFRI

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान
afri
Arid Forest Research Institute

SAND DUNES
Sand dunes make up <2% of deserts in North America, 11 % of the Sahara, 30% of the Arabian Desert and 48% in Thar desert (as compared o 58% reported earlier)
Sand dunes migrate constantly. Their rate of movement depends upon their size—smaller dunes move faster—and the speed of the wind. Some dunes may move from 2 m to more than 30 m in a year
Dune shifting of about 5 m in one month and a precision of ±3 m has been determined from the residual displacement over stable ground in Chad (Vermeesch and Drake, 2008).

WORLD FORESTRY DAY

ARID FOREST RESEARCH INSTITUTE
P.O. KRISHI UPAJ MANDI, BASNI, NEW PALI ROAD, JODHPUR
WORLD FORESTRY DAY
21stMARCH, 2022
THEME
Forests and sustainable production and consumption
Venue : Conference Hall, AFRI at : 3.00 PM

Forests and sustainable production and consumption

THEME
Forests and sustainable production and consumption
Venue : Conference Hall, AFRI at : 3.00 PM

आफरी में विश्व वानिकी दिवस मनाया

विश्वास एक्सप्रेस

जोधपुर। वन एवं वन्यजीव का सम्बन्ध मानव के अस्तित्व से है तथा वानिकी के बिना शुद्ध जलवायु एवं स्वस्थ वातावरण संभव नहीं है, यह उद्गार शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी) निदेशक एमआर बालोच ने विश्व वानिकी दिवस पर आफरी में आयोजित समारोह में अपने उद्बोधन में व्यक्त किए। बालोच ने भूमि की उर्वरकता में कमी तथा रासायनिक उर्वरकों से होने वाले दुष्प्रभावों पर चर्चा करते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं कार्बन सिंक बढ़ाने पर जोर दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आफरी के सेवानिवृत वैज्ञानिक डॉ. जी. सिंह ने अक्रमित भूमि का वानिकी कार्यों द्वारा पुर्नस्थापन विषयक अपने व्याख्यान में बताया कि वर्तमान में कुल वानिकी क्षेत्र 24.62 प्रतिशत है जिसे 33 प्रतिशत तक करने हेतु समन्वित रूप से प्रयास करने की जरूरत है। डॉ. सिंह ने बताया कि 2050 तक मिट्टी में कार्बनिक कार्बन 212 गीगा टन तक कम हो जाएगा जिससे उत्पादकता में कमी आएगी तथा खाद्य सुरक्षा पर संकट आ जाएगा। डॉ. सिंह ने वानिकी कार्यक्रमों से भूमि को उपजाऊ बनाने, आमजन की आजीविका बढ़ाने एवं हरियाली बढ़ाने हेतु विभिन्न आंकड़ो से समझाया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विलास सिंह ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन आफरी के समूह समन्वयक (शोध) डॉ. तरुणकांत ने किया। कार्यक्रम में आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता के विजेता क्रमशः सुरेन्द्र मेघवाल, प्रिया राठौड़, अरिहन्त लुणावत रहे।

मेहरानगढ़ पहाड़ी पर्यावरण समिति द्वारा आयोजित विश्व वानिकी कार्यक्रम में आफरी निदेशक एमआर बालोच ने अपने उद्बोधन में देश के विभिन्न प्रकार के वन क्षेत्रों एवं शुष्क क्षेत्र की वानिकी के बारे में बताते हुए आमजन में पौधरोपण को बढ़ावा देने, जागरूकता उत्पन्न करने की महती आवश्यकता प्रतिपादित की। उन्होंने भावी पीढ़ी के लिए स्वस्थ एवं शुद्ध पर्यावरण हेतु सभी से मिलकर प्रयास करने अधिकाधिक पौधरोपण करने एवं उनकी सार संभाल करने पर बल दिया। इस अवसर पर पर्यावरणविद् प्रसूनपुरी गोस्वामी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।